भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या1000

दिनांक 04.03.2015/13 फाल्गुन, 1936 (शक) को उत्तर के लिए

सुकमा मुठभेड़ के दौरान सुनियोजित मार्ग से भटकाव

1000. श्री ए.के. सेल्वाराजः

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक टुकड़ी, जिसके चौदह कार्मिक 1 दिसम्बर, 2014 को सुकमा के कसलपाड़ा गांव के पास माओवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए थे, अपने सुनियोजित मार्ग से फिर से भटक गई थी;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह भी सच है कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सात कार्मिकों के सेरिब्रल मलेरिया से पीड़ित होने के कारण यह टुकड़ी अपने सुनियोजित मार्ग से हटी थी; और
(घ) क्या केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कार्मिकों ने मलेरिया से पीड़ित कार्मिकों को वहां से ले जाने हेतु हेलिकॉप्टर की मांग की थी परन्तु जगह की कमी का हवाला देकर उनकी मांग ठुकरा दी गई थी जिसके कारण ये कार्मिक अपने सुनियोजित मार्ग से हटने को बाध्य हुए थे?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री **(श्री हरिभाई परथीभाई चौधरी)**

(क) से (घ): आसूचना संबंधी सूचनाओं की प्राप्ति के आधार पर , केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और राज्य पुलिस द्वारा दिनांक 16.11.2014 को चिंतागुफा पुलिस स्टेशन, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ के क्षेत्र में एक बहु-चरणबद्ध अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान, यह सूचना मिली थी कि दल में छह (6) कार्मिकों सुरक्षा बल कार्मिक मलेरिया से संक्रमित हो गए थे। उन बीमार कार्मिकों को हेलीकॉप्टर के द्वारा बाहर निकालने का निर्णय लिया गया था। लेकिन लैंडिंग वाले निर्धारित स्थल पर पानी जमा होने और घनी झाड़ियों के कारण हेलीकॉप्टर वहां उतर नहीं सका। चूंकि बीमार कार्मिकों की स्थिति गंभीर थी, सुरक्षा बल जत्थे ने गांव कासलपारा, सुकमा की ओर बढ़ने का निर्णय लिया जहां हेलीकॉप्टर के उतरने के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध था और उन्हें कथित बीमार कार्मिकों को वहां से बाहर निकालने के कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए अभियान में परिकल्पित मूल योजना में परिवर्तन करना पड़ा।

****